

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग: 3

देहरादून : दिनांक : 23 मार्च, 2002 .

विषय:- पुनर्विद्योजन के माध्यम से वेतन आदि मदों में धनराशि की मांग ।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0- 25-1/2001-2002/2981 दिनांक 1-3-2002 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2001-2002 में संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र -1 के अनुसार चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के शहरी /ग्रामीण चिकित्सालयों में कार्यरत अधिकारियों /कर्मचारियों के वेतन महंगाई भत्ता / अन्य भत्ते तथा विद्युत देय एवं जलकर अपनबद्ध व्यय हेतु आयोजनेत्तर पथ में कुल ₹06331000/- 00/₹00 तिरैसठ लाख इकतीस हजार मात्र ₹ की धनराशि की तदर्थ स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- उक्त धनराशि को संलग्न प्रपत्रानुसार सम्बन्धित अधिकारियों को अवमुक्त कर दिया जाय ताकि वर्धित धनराशि का व्यय समय से हो सके ।

3- यदि किसी जिले में वेतन आदि मदों हेतु टी0 आर0 -27 से आहरण किया गया हो तो उसका समायेजन प्रत्येक दशा में इसी धनराशि में सुनिश्चित किया जाय ।

4- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2001-2002 के आय- व्यय में उल्लिखित धनराशि संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र-1 के कालम-5 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत इकाईयों के नामों द्वारा जायेगा तथा पुनर्विनियोग प्रपत्र -1 के कालम-1 की बचती से वहन किया जायेगा

5- यह आदेश वित्त विभाग की अज्ञातकीय सं0-1017/चि0अनु0-2/2002, दिनांक 21-3-2002 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भयदीप्त,

{ अर्जुन सिंह }
संयुक्त सचिव ।

संख्या: 119/चि0-3-2002-25/2002, तदुदिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, इलाहाबाद ।
- 2- कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग- 2 ।
- 4- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

{ अर्जुन सिंह } 16